I. कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित पत्रों की एक एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) :—

(i) 1975-76 के वर्ष के लिये रिचर्डसन एन्ड क्रूडास (1972) लिमिटेड, बंबई का तीसरा वार्षिक प्रतिवेदन तथा लेखे, लेखों पर लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन तथा उस पर भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों सहित।

(ii) कम्पनी के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा।

[Placed in Library. See No. LT-29/77 for (i) and (ii)]

II. उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 162 (ई), दिनांक 14 फरवरी, 1977 की एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में)।

[Placed in Library. See No. LT-47/77 for (i) and (ii)].

REFERENCE TO REMARKS BY SHRI MORARJI R. DESAI WITH REGARD TO WOMEN

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI R. DESAI): With your permission, Sir, I should like to refer to the controversy which has arisen about some remarks that I made during elections in reference to women as it was considered. I do not want in any way to accentuate the controversy or further it. I should like it to be ended I regret very much that such a contingency should have arisen, and I shall try to see that such a thing never arises in future.

SHRI TRILOKI SINGH (Uttar Pradesh): With your permission, Sir, may I make a submission? .... (*Interruptions*).

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported decision of the U.S. Government to sell arms to Pakistan

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Calling attention motion. Shri Prakash Veer Shastri.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, पाकिस्तान को भारी मात्रा में हथियार बेचे जाने के संबंध में संयुक्त राज्य अमरीका के कथित निर्णय की ओर मैं विदेश मंत्री जी का ध्यान आकर्षित कराता हूं।

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : श्रीमन्, संयुक्त राज्य अमरीका के वाशिंगटन पोस्ट के हवाले से 29 मार्च, 1977 के समाचार-पत्रों में प्रकाशित यह खबर सरकार की निगाह में आई है कि अमरीकी राष्ट्रपति ने 20 अरब डालर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री की मंजूरी पाकिस्तान सहित कुछ देशों के लिए दे दी है। अमरीकी कांग्रेस के समक्ष जब तक यह प्रस्ताव औपचारिक रूप से मंजूरी के लिए पेश नहीं कर दिया जाता तब तक विभिन्न देशों को बेची जाने वाली सामग्री की निश्चित सूची मालूम नहीं हो सकेगी; बहरहाल, जहां तक हमें मालूम है यह बिक्री पिछले कई वर्षों से चल रहे एक कार्यक्रम का अंग है जिसका संबंध अमरीका द्वारा पाकिस्तान को विगत वर्षों में दिए गए उपकरणों के पुनर्नवीकरण से है।

जैसाकि सदन को मालूम है भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाया है और हमारी यह चेष्टा है कि इस क्षेत्र के देशों के साथ अधिकाधिक लाभदायक सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया जाए ताकि हमारा उपमहाद्वीप तनावमुक्त तथा सुदृढ़ता का क्षेत्र बने। हमारा विश्वास है कि हमारा यह प्रयास एशिया की शांति के व्यापक हित में है और इसका स्वागत उन